आईआईएमः शिक्षा और विदेश राज्य मंत्री का व्याख्यान

सुशासन के लिए सत्य, शांति और अहिंसा अपनाना होगा

रांची | प्रमुख संवाददाता

आईआईएम रांची के अटल बिहारी वाजपेयी सेंटर फॉर लीडरशिप, पॉलिसी एंड गवर्नेंस की ओर से सोमवार को शिक्षा और विदेश राज्य मंत्री डॉ राजकुमार रंजन सिंह का व्याख्यान आयोजित किया गया। डॉ राजकुमार ने बताया कि कैसे एक भारत, श्रेष्ठ भारत और सुधार, प्रदर्शन व परिवर्तन जैसे शब्द सुशासन की अवधारणा के बारे में अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं। उन्होंने भारत के लिए सुशासन को बढ़ावा देने में इन सकारात्मक घटनाओं में से कुछ पर चर्चा की।

डॉ राजकुमार ने कहा कि सुशासन के आठ प्रमुख गुण हैं। यह लोकतांत्रिक, सर्वसम्मति से संचालित, जवाबदेह, पारदर्शी, उत्तरदायी, प्रभावी और कुशल, साथ ही न्यायसंगत व समावेशी है और यह कानून के शासन का पालन करता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने सु-राज पर भी जोर दिया, जिसका अनिवार्य रूप से अर्थ सुशासन है। सूचना का अधिकार और ई-गवर्नेंस दो प्रमुख प्रयास हैं, जो हाल ही में भारत में आम आदमी को सशक्त बनाने और सुशासन सुनिश्चित करने के लिए शुरू किए गए हैं। उन्होंने कहा कि देश का सुशासन तभी सक्रिय होगा, जब प्रत्येक भारतीय नागरिक सत्य, शांति और अहिंसा को अपनाएंगे। कहा कि प्रत्येक सहभागी को इस आयोजन में शपथ लेनी चाहिए कि हमारे जीवन का मार्गदर्शन करने वाले नैतिक आदर्श कभी भी धन या बाहुबल से प्रभावित नहीं होंगे। हमें अपनी नैतिक शक्ति को अपनी शारीरिक शक्ति पर विजय प्राप्त करने देना चाहिए। देश के जिम्मेदार नागरिकों के रूप में, ईमानदार नागरिकों को वोट देना जारी रखना हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है। जो हमारे देश में रचनात्मक परिवर्तन लाने के लिए प्रभावी प्रशासक और सुधारक के रूप में काम कर सकते हैं।

आईआईएम रांची के छात्र दुनिया में लहरा रहे परचम : प्रो शैलेंद्र

संस्थान के निदेशक प्रो शैलेंद्र सिंह ने कहा कि आईआईएम रांची के छात्र पूरी दुनिया में अपना परचम लहरा रहे हैं और प्रबंधन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रभाव डाल रहे हैं। उन्होंने कहा कि एबीवीसीएलपीजी, आईआईएम रांची में उत्कृष्टता केंद्र ने नेतृत्व, नीति और शासन के क्षेत्र में नवोदित लोक प्रशासकों के लिए अच्छा काम किया है। प्रो आदित्य शंकर मिश्रा ने सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और देश के लिए काम करने और इसके विकास के मिशन का आश्वासन देते हुए सुशासन पर बात की। प्रो अंगशुमन हजारिका ने प्रश्नोउत्तर सत्र का समन्वयन किया।

Hindustan, 28.09.2021, Pg. 10